अनुसूची– 6

(नियम–34 देखें)

निरन्तर शोर के मामलों में अनुज्ञेय अनावृति

अनावृति का कुल समय (निरन्तर अथवा अल्पकालीन अनावृति की संख्या) प्रतिदिन (घंटों में)	ध्वनि दाब स्तर (डी0 बी0 ए0 में)
(1)	(2)
90	
92	
95	
97	
100	
1/2	102
1	105
3/4	107
1/2	110
1/4	115

टिप्पणियां : 1. 115 डी0 बी0 ए0 से अधिक का कोई अनावृति अनुज्ञात नही है।

2. अनावृति की किसी ऐसी अवधि के लिए, जो स्तम्भ 1 में उपदर्शित कोई अंक उसके निकटतम उपर वाले अथवा नीचे वाले अंक के बीच में आती है, ध्वनि दाब स्तर अनुपातिक आाधार पर वन्हिवेर्शन द्वारा अवधारित किया जाएगा।

अनुसूची –7

नियम– नियम 81 (IV)और 223 (क) (III) देखें)
भवन निर्माण कर्मकारों की चिकित्सीय जांच की आवर्तिता

1, नियोजक ऐसे सभी भवन निर्माण कर्मकारों की जो उत्थापक साधित्रों अथवा परिवहन उपस्करों में चालकों, आपरेटरों के रूप में नियुक्त है, नियुक्ति से पूर्व, और बीमारी अथवा शारीरिक क्षति के पश्चात यदि यह प्रतीत होता है कि बिमारी अथवा शारीरिक क्षति ने उसकी समर्थता को प्रभावित किया है और तत्पश्चात चालीस वर्ष की आयु तक प्रत्येक दो वर्ष में एक बार और तत्पश्चात प्रत्येक वर्ष में एक बार चिकित्सीय जांच की व्यवस्था करेगा।

2, चिकित्सीय जांच का संपूर्ण और गोपनीय अभिलेख नियोजक अथवा नियोजक द्वारा प्राधिकृत चिकित्सक रखेगा।

3, चिकित्सीय जांच में निम्नलिखित सम्मिलित होगे :–

(क) संपूर्ण चिकित्सीय और उपजीविकीय इतिहास।
(ख) निम्न के प्रति विशिष्ट निर्देश में रोग विषयक जांच।
(i) सामान्य शारीरिक गठन ;

(ii) दृष्टि–मानक और थेरेटर जैसे कि टिटमस दृष्टि, परीक्षक का उपयोग करके टोटल विजुअल परफामेंस का प्रक्कालन किया जाएगा और विहित कार्य मानकों के अनुसार नियोजन की उपयुक्ता अभिनिश्चित की जाएगी;

(iii) श्रवण शक्ति–सामान्य श्रवण वाला व्यक्ति किसी फोर्सड सरगोशी को चौबीस फुट की दूरी से सुनने में समर्थ होने चाहिए। श्रवण सहाय प्रयोग में लाने वाला व्यक्ति कोलाहर्पूर्ण कार्यकरण परिस्थितियों में चेतावनी, पुकार सुनने मे समर्थ होना चाहिए ;

(iv) श्वसनः मानक पीक फलो मीटर का प्रयोग करते हुए पीक फलो दर का और इस प्रकार की गई जांच के पाठयांकों से औसत पीक फलो दर का निर्धारण, पूर्व–नियोजन चिकित्सीय जांच के अभिलिखित परिणाम, उस व्यक्ति के, उसी उंचांई पर पश्चातवर्ती जांचों के लिए मानक निर्देश के रूप में प्रयोग किये जा सकजे है;

(v) उपरी अंगः पर्याप्त बाजू कृत्य और पकड (दोनों बाजूओं की);

(vi) निचला अंगः पर्याप्त टांग और पांव कृत्य ;

(vii) रीढ की हडडीः संम्बंधित कार्य के लिए पर्याप्त लचीली;

(viii) साधारणः अच्छी आंख, हाथ–पांव समन्यवन के साथ दितागी सतर्कता और स्थिरता; और

(ग) अन्य कोई परीक्षण जिसे जांच करने वाला डाक्टर आवश्यक समझता है।